उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १६१ वा शनिवार ११ जनवरी २०२५ RNI TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

देशमुख हत्याकांड : सांसद सोनवणे के प्रयासों से मानवाधिकार आयोग में मामला दर्ज

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग दिल्ली से टीम भेजेगा

राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगेगा, और चल रही जांच की समीक्षा करेगा

बीड़: मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या और उनके शव के साथ की गई अमानवीय हरकत मानवता के लिए एक कलंक है। इस मामले में, सांसद बजरंग सोनवणे ने 3 जनवरी को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक क्रानूगनो से मुलाकात की और आयोग से स्वतंत्र जांच की मांग की। अब आयोग ने इस मामले में मामला दर्ज कर लिया है और स्वतंत्र जांच करेगा।

9 दिसंबर को संतोष देशमुख के अपहरण की खबर मिलने के बाद, सांसद सोनवणे ने सबसे पहले पुलिस अधीक्षक अविनाश बारगळ से संपर्क कर उनकी जान बचाने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस अधीक्षक ने कॉल लेने से बचते रहे। इसके अलावा, केज पुलिस ने भी इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

इस दौरान संतोष देशमुख को मानसिक और शारीरिक रूप से अत्यंत क्रूरता से प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। उनकी इतनी निर्मम पिटाई की गई कि उनके शरीर पर एक इंच भी जगह सही-सलामत नहीं थी। इसके अलावा, उनके शव के साथ भी अमानवीय बर्ताव किया गया। इस जघन्य अपराध ने पूरे

राज्य को झकझोर कर रख दिया है।

3 जनवरी को, सांसद बजरंग सोनवणे ने दिल्ली में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के आयुक्त से मुलाकात की और मस्साजोग की घटना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आयोग से संतोष देशमुख के परिवार को सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। 9 दिसंबर को सरपंच संतोष देशमुख की हत्या एक अत्यंत अमानवीय कृत्य था, और इसमें मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हुआ। इसलिए, सांसद सोनवणे ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से इस मामले का संज्ञान लेने का आग्रह किया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सांसद सोनवणे के अनुरोध को स्वीकार करते हुए मस्साजोग हत्याकांड में अपराध संख्या 33/13/5/2025 के तहत मामला दर्ज किया है। अब आयोग इस मामले की जांच, पुलिस की भूमिका और न्यायिक प्रक्रिया की भी निगरानी करेगा।

आयोग जल्द ही बीड़ जिले में एक टीम भेजेगा, जो इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। इसके अलावा, आयोग इस पूरी घटना की विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार से मांगेगा। यह टीम दिल्ली से आएगी। यदि इस घटना के दौरान या जांच में पुलिस की कोई लापरवाही सामने आती है, तो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग इस पर रिपोर्ट तैयार करेगा और आवश्यक कार्रवाई करेगा। आयोग को न्यायिक और अर्ध-न्यायिक अधिकार प्राप्त हैं, जिससे वह इस मामले में कानूनी कदम उठा सकता है। सांसद बजरंग सोनवणे ने इस मामले को गंभीरता से लेकर प्राथमिकी दर्ज कराने और कार्रवाई करने के लिए भारत के महामहिम राष्ट्रपति और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का आभार व्यक्त किया है।

संतोष देशमुख हत्या केस को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर दोषियों को फांसी दी जाए

मराठा क्रांती मोर्चा का जालना में ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन

मोहम्मद अज़हर फाज़िल

जालना : बीड जिले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की कुछ दिन पहले बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के मामले को तेजी से अदालत में चलाने और सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग करते हुए आज मराठा क्रांति मोर्चा, जालना द्वारा मोटी बाग गार्डन से दोपहर 12 बजे एक भव्य विरोध जुलूस निकाला गया। मोर्चा के ज़िम्मेदारों ने कलेक्टर, जालना को ज्ञापन सौंपकर यह स्पष्ट मांग की कि निम्नलिखित मांगों को गंभीरता से लिया जाए और तत्काल पूरा किया जाए, अन्यथा मोर्चा द्वारा कड़ा आंदोलन किया जाएगा।

मुख्य मांगे

1. संतोष देशमुख के सभी हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार कर उन्हें फांसी की सजा दी जाए।
2. इस मामले में हिरासत में लिए गए वाल्मीकी क्राड को सह-आरोपी बनाया जाए और उस पर हत्या का मामला दर्ज किया जाए।
3. एसआईटी (SIT) के माध्यम से उन राजनीतिक दलों के लोगों की जांच की जाए जो वाल्मीकी क्राड की मदद कर रहे हैं।
4. केज थाने के पुलिस इंस्पेक्टर प्रशांत महाजन को तत्काल निलंबित कर उन्हें सह-आरोपी बनाकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाए।
5. संतोष देशमुख हत्या मामले को अदालत में फास्ट ट्रैक मोड पर चलाया जाए।
6. संतोष देशमुख के परिवार को सरकार की ओर से 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए और उनकी बेटी को सरकारी नौकरी दी जाए।
7. जब तक इस मामले का फैसला नहीं

होता, तब तक उनके परिवार को पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाए।
8. एसआईटी जांच के लिए नियुक्त अधिकारी बाहरी डिवीजन (ज़ोन) से होना चाहिए।
9. सुमनाथ सूर्यवंशी की पुलिस हिरासत में पिटाई के कारण मौत हो गई थी। इस हत्या में शामिल सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाए और उनके परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरियों में स्थान दिया जाए।

मोर्चे में बड़ी संख्या में मराठा समाज की भागीदारी

इस ऐतिहासिक मोर्चे में सैकड़ों मराठा समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अपने जागरूक समाज होने का प्रमाण दिया। मोर्चे के दौरान प्रदर्शनकारियों ने जोरदार नारेबाजी की। बच्चों ने अपने हाथों में तख्तियां लेकर हत्यारों को फांसी देने की मांग की। वृद्ध लोगों ने काले कपड़े पहनकर विरोध जताया, जिन पर निंदा संबंधी संदेश लिखे गए थे।

कलेक्टर कार्यालय पर समाप्त हुआ मोर्चा

यह विरोध जुलूस मोटी बाग (पुराना जालना) से शुरू होकर शहर की विभिन्न सड़कों से गुजरता हुआ कलेक्टर कार्यालय पर समाप्त हुआ, जहां मोर्चा आयोजकों ने संबोधन दिया।

पुलिस ने इस मोर्चे को गंभीरता से लेते हुए भारी सुरक्षा इंतजाम किए थे। एसपी, जालना ने ट्रैफिक की समस्या से बचने के लिए इस मार्ग की आवाजाही को दूसरी सड़कों की ओर मोड़ दिया, जिससे यातायात बाधित नहीं हुआ।

कोरोना वायरस जैसे HMPV के देश में 15 केस

नई दिल्ली : कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) के देश में कुल 15 मामले हो गए हैं। शनिवार को असम में पहला केस सामने आया। यहां 10 महीने का बच्चा पॉजिटिव है।

बच्चे का डिब्रूगढ़ में असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) में इलाज चल रहा है। उसकी हालत स्थिर है। डॉ. ध्रुबज्योति भुइयां ने बताया कि बच्चे को चार दिन पहले सर्दी-जुकाम के लक्षणों के चलते सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

देश में HMPV के सबसे ज्यादा 4 मामले गुजरात में हैं। महाराष्ट्र में 3, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, यूपी, राजस्थान, असम और बंगाल में एक-एक केस सामने आया है। HMPV केस बढ़ने पर अब राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पंजाब में बुजुर्गों और बच्चों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। इधर गुजरात में अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। हरियाणा में भी स्वास्थ्य विभाग को HMPV केसेस पर निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं।

कैलिफोर्निया की आग में अब तक 11 की मौत

लॉस एंजिल्स : लॉस एंजिलिस में लगी आग में 288 करोड़ रुपए की कीमत की एक प्रॉपर्टी भी खाक हो गई। इसे दुनिया की सबसे महंगी प्रॉपर्टी में शुमार किया जाता था। - Dainik Bhaskar

लॉस एंजिलिस में लगी आग में 288 करोड़ रुपए की कीमत की एक प्रॉपर्टी भी खाक हो गई। इसे दुनिया की सबसे महंगी प्रॉपर्टी में शुमार किया जाता था। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में मंगलवार को लगी आग पर आज 5 दिन बाद यानी शनिवार तक भी पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। इसमें अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति जो बाइडेन का कहना है कि अभी भी बहुत से लोग लापता हैं। आग के संकट के बीच कैलिफोर्निया के सांता मोनिका शहर में लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने कर्फ्यू घोषित कर दिया। इस मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रॉयटर्स के मुताबिक लॉस एंजिलिस (LA) में लगी आग से अब तक करीब 4.30 लाख करोड़ रुपए (50 अरब डॉलर) के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू तो किया गया है, लेकिन एक्सपर्ट्स को डर है कि वीकेंड में फिर से तेज हवाएं चल सकती हैं। लॉस एंजिलिस काउंटी में गुरुवार को लगभग 1 करोड़ लोगों को गलत फायर एक्जिट अलर्ट (आग वाले इलाकों से बाहर निकलने का मैसेज) भेज दिया गया। यह सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा। इसे लेकर इमरजेंसी मैनेजमेंट के अधिकारियों को कहना है कि सेलफोन टावरों में आग की वजह से यह समस्या हो रही है।

परली विधानसभा क्षेत्र के 201 बूथों पर हुई फर्जी वोटिंग

एनसीपी-शरद पवार के विधानसभा नेता जीतेंद्र आव्हाड का गंभीर आरोप

मुंबई (अज़ीज़ एजाज़) : मराठवाड़ा के परली विधानसभा क्षेत्र में 201 बूथों पर कब्जा कर फर्जी वोटिंग कराई गई। वोटरों की उंगली पर सिर्फ स्याही लगाई जाती थी और उन्हें बाहर भेज दिया जाता था, जबकि ईवीएम का बटन अंदर मौजूद एक गिरोह के लोग दबा रहे थे। यह गंभीर आरोप एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधानसभा नेता जीतेंद्र आव्हाड ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाया। इस मौके पर परली विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार राजे साहेब देशमुख भी मौजूद थे।

ईवीएम और चुनावों पर जनता के मन में उठ रहे सवाल – आव्हाड

जीतेंद्र आव्हाड ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में कई संदेह उठ रहे हैं। परली विधानसभा क्षेत्र में एनसीपी-शरद पवार गुट के उम्मीदवार राजे साहेब देशमुख लगातार हर बूथ का दौरा कर रहे थे।

परली विधानसभा क्षेत्र में कुल 396 बूथ हैं। इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान हुई अनियमितताओं के कारण हाईकोर्ट ने 122 बूथों को अति-संवेदनशील घोषित किया था और वहां अतिरिक्त सुरक्षा के निर्देश दिए थे। इन बूथों की सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और चुनाव अधिकारियों पर थी, लेकिन 201 बूथों पर कब्जा कर लिया गया और 101 बूथ पूरी तरह से गुटों के नियंत्रण में थे।

चुनाव आयोग बेशर्म लोगों का अड्डा बन चुका है" – आव्हाड का तीखा हमला

आव्हाड ने चुनाव आयोग पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि यह संस्था अब बेशर्म लोगों का अड्डा बन चुकी है और सत्ता पक्ष को मदद पहुंचा रही है। उन्होंने चुनाव अधिकारियों को खुली चुनौती दी कि वे बूथ कैप्चरिंग पर सफाई दें।

उन्होंने परली में बूथ कैप्चरिंग का एक वीडियो भी पेश किया, जिसमें गोठ्या गीते नजर आ रहे थे। उन्होंने सवाल उठाया कि "क्या चुनाव आयोग अब उन्हें हिरासत में लेगा?"

आव्हाड ने कहा कि "चुनाव आयोग को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और संबंधित अधिकारियों की लिखित रिपोर्ट जनता के सामने रखनी चाहिए।"

बीड जिले में ऐसी गुंडागर्दी पहले कभी नहीं हुई

आव्हाड ने कहा कि जब गोपीनाथराव मुंडे बीड जिले का नेतृत्व करते थे, तब यहां इस तरह की हठधर्मिता नहीं होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि "जाति के नाम पर जनता को मूर्ख बनाया जा रहा है।"

उन्होंने मांग की कि बीड को बर्बाद करने वाले एसपी, कलेक्टर और अन्य अधिकारियों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

वोटरों को उनके अधिकार से वंचित किया गया – राजेसाहेब देशमुख

परली विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार राजे साहेब देशमुख ने कहा कि मतदान के दौरान वोटरों को उनके मताधिकार से वंचित किया गया। वोटर का केवल पहचान पत्र देखकर उसकी उंगली पर स्याही लगा दी जाती थी, लेकिन ईवीएम का बटन कोई और दबा रहा था। उन्होंने इसे वोटरों के साथ गंभीर अन्याय बताया और चुनाव आयोग से इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने की मांग की।

पराजय की निराशा से 'मविआ' में विवाद की चिंगारी

खा. कोल्हे, वडेट्टीवार और राउत के बीच तीखी बहस

मुंबई | जमीर काज़ी

10 जनवरी: महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद महाविकास आघाड़ी (मविआ) में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। चुनावी असफलता का दोष एक-दूसरे पर डालने से, राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन की तरह राज्य में भी मविआ में फूट की चिंगारी भड़क उठी है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में यह टूटन महायुति के लिए बोनस साबित हो सकती है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की दो दिवसीय मुंबई बैठक में सांसद अमोल कोल्हे ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कांग्रेस और शिवसेना (ठाकरे गुट) पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि "कांग्रेस की रीढ़ टूटी हुई है और शिवसेना अब तक नींद से जागी नहीं है।" इस पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने पलटवार करते हुए कहा कि "कोल्हे पहले अपने ही दल की चिंता करें। यदि उनकी पार्टी ने सीट बंटवारे में गड़बड़ी न की होती, तो चुनाव में बेहतर प्रदर्शन होता।"

संजय राउत ने भी कांग्रेस को घेरा, उन्होंने कहा कि "अगर कांग्रेस ने विदर्भ में कुछ सीटें छोड़ दी होती, तो तस्वीर कुछ और होती।"

इंडिया गठबंधन की तरह मविआ भी टूट की कगार पर?

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग-अलग लड़ रही हैं, जबकि इंडिया गठबंधन के अधिकतर दल आप को समर्थन दे चुके हैं। इससे इंडिया गठबंधन में दरार साफ दिखाई दे रही है। यही हाल अब मविआ का भी हो रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की भारी जीत के बाद मविआ अब तक उस झटके से उबर नहीं पाई है।

विपक्ष के नेता पद के लिए भी अब तक कोई सहमति नहीं बन पाई है, और अब सहयोगी दल एक-दूसरे पर आरोप लगाने में जुट गए हैं। आने वाले दिनों में यह विवाद और बढ़ सकता है।

शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि स्थानीय निकाय चुनाव वे अपने दम पर लड़ें, लेकिन गठबंधन के अंदर के आरोप-प्रत्यारोप से यह विवाद और गहरा सकता है।

कांग्रेस की रीढ़ टूटी हुई, शिवसेना सो रही है - खा. अमोल कोल्हे

सांसद अमोल कोल्हे ने कहा, विधानसभा चुनाव में हार के कारण कांग्रेस की रीढ़ अब तक सीधी नहीं हो पाई है, वहीं दूसरी ओर शिवसेना अब तक नींद से नहीं जागी है। सहयोगी दलों के इस व्यवहार के कारण राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के लिए विपक्ष में मजबूत जगह बनाने का अवसर है।" उन्होंने कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए कहा, हार पहले मन में होती है, फिर मैदान में। इस हार को भूलकर काम में जुट जाइए। आपके पास लड़ने वाले शरद पवार हैं। याद रखें, 'बचेंगे तो और भी लड़ेंगे'।"

"हमें कम सिखाएं, खुद की पार्टी देखें" - विजय वडेट्टीवार

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कोल्हे पर पलटवार करते हुए कहा, "विधानसभा चुनाव में 9 करोड़ से अधिक मत पड़े हैं, लेकिन ईवीएम के भरोसे यह सरकार सत्ता में आई है।" उन्होंने आगे कहा, "अमोल कोल्हे को अपनी ही पार्टी की ज्यादा चिंता करनी चाहिए। हमें सिखाने की जरूरत नहीं है। सीट बंटवारे में नेताओं की गलतियों के कारण प्रचार के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला, जिससे नुकसान हुआ।"

"कांग्रेस ने कुछ सीटें छोड़ दी होती तो..." - संजय राउत

संजय राउत ने भी गठबंधन की खींचतान को उजागर किया। उन्होंने कहा, "हमारे बीच वाकई में विवाद था, लेकिन असली मुद्दा सीट बंटवारे में हुई देरी है। कांग्रेस को सबसे ज्यादा सीटें चाहिए थीं, लेकिन उनकी सबसे कम सीटें जीतीं। अगर उन्होंने विदर्भ में कुछ सीटें छोड़ दी होती, तो स्थिति अलग होती।"

उन्होंने चंद्रपुर सीट का उदाहरण देते हुए कहा, "चंद्रपुर की सीट से किशोर जोरगेवार राष्ट्रवादी कांग्रेस से चुनाव लड़ने वाले थे। इस पर 17 दिन तक राष्ट्रवादी ने प्रयास किए, लेकिन कांग्रेस ने सीट नहीं छोड़ी। नतीजा यह हुआ कि जोरगेवार भाजपा में चले गए और वहां से जीत गए।" क्या महाविकास आघाड़ी का अंत करीब है? आरोप-प्रत्यारोप के इस दौर में महाविकास आघाड़ी (मविआ) के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। क्या यह गठबंधन स्थानीय निकाय चुनावों तक भी टिक पाएगा? या फिर महायुति के लिए यह टूट एक और राजनीतिक जीत का कारण बनेगी? आने वाले दिनों में यह तय होगा।

बॉन्ड के अतिरिक्त खर्च से मिली राहत : एस.एम. युसूफ ने मीडिया का किया धन्यवा

बीड : अब सरकारी कामकाज और विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों के लिए बॉन्ड की जरूरत नहीं होगी। 500 रुपये का ही नहीं, बल्कि 100 रुपये का बॉन्ड भी अनिवार्य नहीं रहेगा। राज्य के पंजीयन महानिरीक्षक ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं।

इस मुद्दे पर 9 दिसंबर 2024 को मीडिया के माध्यम से जनता का ध्यान आकर्षित करने वाले स्वतंत्र पत्रकार एस.एम. युसूफ ने इस निर्णय के लिए मीडिया का विशेष धन्यवाद अदा किया है।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि सरकार ने पहले 100 और 200 रुपये के बॉन्ड को रद्द कर 500 रुपये के बॉन्ड को अनिवार्य कर दिया था। लेकिन 500 रुपये के बॉन्ड बाजार में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो रहे थे।

इसके कारण नागरिकों को मजबूर होकर बॉन्ड विक्रेताओं से 100 रुपये के 5 बॉन्ड खरीदकर अपना काम पूरा करना पड़ रहा था, जिसके लिए उन्हें 550 रुपये खर्च करने पड़ते थे।

हालांकि, अधिकांश कामों के लिए केवल 1 बॉन्ड की आवश्यकता होती थी, लेकिन बॉन्ड विक्रेता 4 अतिरिक्त खाली बॉन्ड भी जोड़कर बेच रहे थे। इससे नागरिकों को आर्थिक और मानसिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

इस समस्या को ध्यान में रखते हुए, एस.एम. युसूफ ने 9 दिसंबर 2024 को "मुद्रांक बाजार में 500 के बॉन्ड की भारी कमी; 100 के बॉन्ड की बाढ़, यह सुशासन है या प्रतिशोध?" शीर्षक से एक समाचार प्रकाशित किया। इस खबर के मीडिया में प्रकाशित होने के बाद, सरकार और प्रशासन ने इस पर संज्ञान लिया। एक महीने के भीतर, राज्य के पंजीयन महानिरीक्षक ने आदेश जारी कर दिया कि अब सरकारी कामकाज और विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए बॉन्ड की आवश्यकता नहीं होगी। इससे नागरिकों को बॉन्ड के लिए अनावश्यक खर्च नहीं करना पड़ेगा।

एस.एम. युसूफ ने इस मुद्दे को उजागर करने वाले सभी मीडिया माध्यमों का विशेष धन्यवाद किया और कहा कि मीडिया के

साइबर क्राइम : "अल-खैर" के नाम पर कर्ज का लालच देकर सैकड़ों लोगों से ठगी, अज्ञात साइबर अपराधियों पर केस दर्ज

औरंगाबाद : महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में "अल-खैर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी" पिछले 23 वर्षों से जरूरतमंद लोगों को मात्र 1% सर्विस चार्ज पर बिना ब्याज के ऋण प्रदान कर रही है।

लेकिन, इस संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल कर साइबर अपराधियों ने विभिन्न स्थानों पर लाखों रुपये की ठगी की है।

"अल-खैर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी" की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, एक बड़े न्यूज़ चैनल ने इस संस्था की बिना ब्याज की लोन सेवा, इस्लाम में ब्याज की मनाही और संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों पर एक विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया।

इसके बाद, कुछ साइबर अपराधियों ने इस वीडियो क्लिप का दुरुपयोग कर सैकड़ों लोगों को 'बिना ब्याज का लोन' देने का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी कर ली।

यह गिरोह फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर रहा था।

यह ठगी पिछले एक साल से चल रही थी। लोगों को "अल-खैर" के नाम पर झांसा देकर उनसे पैसे वसूल किए जाते थे।

इस मामले की सूचना कई बार साइबर क्राइम विभाग को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी।

अब, "अल-खैर" के नाम पर कर्ज का झांसा देकर सैकड़ों लोगों को धोखा देने वाले अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ आखिरकार एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

कल, संस्था के अधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर संजय पवार से मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने साइबर क्राइम डिपार्टमेंट को तत्काल एफआईआर दर्ज करने और इस मामले पर तुरंत कार्रवाई करने का आदेश दिया।

उर्दू का जश्न मनाने के लिए जुनून और पागलपन ज़रूरी : क़ैसर ख़ालिद

हर मुश्किल का सामना करें, लेकिन हिम्मत न हारें

मुंबई : मुंबई यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग और 'उर्दू चैनल' पत्रिका के संयुक्त आयोजन में आयोजित 'जश्न-ए-उर्दू' के उद्घाटन सत्र में महाराष्ट्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी क़ैसर ख़ालिद ने अपने अनुभवों और कड़वे लहजे में कहा कि "आज के दौर में उर्दू के नाम पर कोई भी जश्न मनाना एक तरह का पागलपन है, लेकिन उर्दू की तरक्की को रोका नहीं जा सकता।"

हालांकि, उन्होंने इस सच्चाई को स्वीकार किया कि उर्दू लिपि में पढ़ने-लिखने का चलन कम हो रहा है, लेकिन दूसरी लिपियों में इसे बढ़ावा मिल रहा है।

पसबान-ए-अदब संगठन के संस्थापक क़ैसर ख़ालिद ने आगे कहा कि "उर्दू का जश्न, मेला या कोई भी बड़ा कार्यक्रम आयोजित करना आसान नहीं होता। इसके लिए बहुत मेहनत और संघर्ष करना पड़ता है।"

उन्होंने यह भी कहा कि "कार्पोरेट जगत में बड़ी संख्या में ऐसे अधिकारी और लोग हैं, जो उर्दू की मिठास को पसंद करते हैं। हमें इन लोगों की पहचान करनी चाहिए और उनके साथ काम करना चाहिए।"

उन्होंने सुझाव दिया कि "मास मीडिया के अलावा उर्दू भाषा से जुड़े लोगों के लिए फिल्म इंडस्ट्री में भी बड़ा प्लेटफॉर्म मौजूद है। साथ ही, घरों में भी उर्दू को बढ़ावा देने की ज़रूरत है।"

"अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने घरों में उर्दू अखबार और पत्रिकाएं पढ़ने की आदत डालें। इसके लिए हमें घरों में ऐसा माहौल बनाना होगा, जहां उर्दू भाषा को धर्म की सीमा से बाहर निकालकर सांस्कृतिक भाषा के रूप में समाज के सामने रखा जाए।"

उन्होंने आगे कहा कि "जब तक उर्दू को जोड़ने वाली भाषा के रूप में पेश नहीं किया जाएगा, तब तक 21वीं सदी में इसकी मजबूती संभव नहीं होगी।"

कार्यक्रम की शुरुआत में अहमद महफूज़ ने कहा कि "आजकल उर्दू के उत्सवों को मनाने की परंपरा आम हो गई है। हाल ही में इलाहाबाद में भी इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। मुंबई का यह जश्न-ए-उर्दू भी बेहद सफल कार्यक्रम बन रहा है, क्योंकि पहले ही दिन बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हैं।"

उन्होंने बताया कि "पिछले दो-तीन हफ्तों से सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम का प्रचार किया जा रहा था, जिससे लोगों की दिलचस्पी बढ़ी।"

अहमदाबाद से आए हाफिज़ वली अहमद ने कहा कि "क़ैसर ख़ालिद ने कार्पोरेट सेक्टर का ज़िक्र किया, लेकिन हमें भी व्यापारिक क्षेत्र से जुड़कर उर्दू के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयास करने चाहिए।"

उन्होंने कहा कि "अगर व्यापारिक जगत से हमारा जुड़ाव हो गया, तो करोड़ों रुपये के भव्य जश्न आयोजित किए जा सकते हैं।"

उन्होंने अपने संस्थानों द्वारा प्रकाशित किताबों पर 95% की छूट देने की घोषणा भी की।

हाफिज़ वली अहमद ने कहा कि "इस्लामी विद्वानों और मौलाना अली मियां ने भी उर्दू की सेवा को पुण्य का कार्य बताया था, क्योंकि अरबी के बाद हमारे धार्मिक ग्रंथ उर्दू में सबसे अधिक उपलब्ध हैं।"

बीड जिले के केज तालुका के मौजे कालांबांबा गांव की युवा खिलाड़ी प्रियंका इंगले का वर्ल्ड कप खो-खो टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की कप्तान के रूप में चयन किया गया है। इस चयन पर प्रियंका को बीड वासीयों कि तरफ से शुभकामनाएं दी जा रही है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com